15-हमारा प्रदेश

हमारा राज्य: उत्तर प्रदेश

आइए अपने देश भारत के मानचित्र को देखते हैं। इसमें अपने राज्य उत्तर प्रदेश को पहचानिए। उत्तर प्रदेश राज्य मानचित्र में .....रंग से दिखाया गया है। इसकी राजधानी ..... है।

अब भारत के मानचित्र पर उत्तर प्रदेश के आस-पास देखिए। इसके उत्तर में हमारा पड़ोसी देश नेपाल है। अब आप उत्तर प्रदेश के पड़ोसी राज्यों को देखिए और उनके नाम लिखिए-

- उत्तर में- उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश।
- पश्चिम में ....., ... और .....।
- दक्षिण में ..... और .....।
- पूरब में ..... और .....।

जिस स्थान से किसी राज्य की शासन व्यवस्था का संचालन किया जाता है, उस स्थान को उस राज्य की राजधानी कहा जाता है।

उत्तर प्रदेश, भारत का एक बड़ा राज्य है। वर्तमान में इसमें 75 जनपद हैं। इन जनपदों को उत्तर प्रदेश के मानचित्र पर देखिए। अपने जनपद को पहचानिए। आपके जनपद का नाम ..... है। मानचित्र पर आपके जनपद को .....रंग से दिखाया गया है। अपने प्रदेश की राजधानी को भी पहचानिए। इसे मानचित्र पर ..... रंग से दिखाया गया है। अपने प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री यहीं लखनऊ में रहते हैं।

अब आप बताइए-

- अपने प्रदेश के राज्यपाल का नाम .....
- अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम .....

क्या आप अपने देश के राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री का नाम जानते हैं ? पता करिए। वे कहाँ रहते हैं ?

अब अपने राज्य के प्रमुख शहरों आगरा, कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर आदि को भी मानचित्र पर देखिए। ये शहर ऐतिहासिक, दर्शनीय स्थल, धार्मिक स्थल, सांस्कृतिक स्थल, उद्योग, शिक्षा आदि किसी न किसी कारण से प्रसिद्ध हैं। शिक्षक के सहयोग से इन प्रमुख शहरों के प्रसिद्ध होने के कारण को पता करिए।

अपने उत्तर प्रदेश की बनावट सभी स्थानों पर एक जैसी नहीं है। कहीं ऊँची-नीची भूमि है तो कहीं समतल मैदान है। इस प्रकार बनावट के आधार पर उत्तर प्रदेश को तीन

प्राकृतिक भागों में बाँटते हैं- भाबर एवं तराई, गंगा-यमुना का मैदान और दक्षिण का पठार।

भाबर एवं तराई

हिमालय के पर्वतीय भाग के दक्षिण में तथा मैदानी भाग के उत्तर में भाबर एवं तराई है। हिमालय से नीचे उतरने वाली नदियों गंगा, यमुना, रामगंगा, घाघरा, आदि का बहाव इस भाग में आकर धीमा हो जाता है। नदियाँ, पहाड़ों से लाए गए रोड़े-पत्थरों व मोटी मिट्टी को इस भाग में जमा करती रहती हैं। रोड़े-पत्थरों और मोटे कणों से बनी मिट्टी का यह भाग **भाबर** कहलाता है। इसी का निचला भाग **तराई** है। तराई में रोड़े-पत्थर नहीं हैं। तराई क्षेत्र में जमीन के नीचे थोड़ी ही गहराई पर पानी निकल आता है। यहाँ की हवा में नमी रहती है। यह क्षेत्र सहारनपुर जनपद से कुशीनगर जनपद तक एक पतली पट्टी के रूप में फैला है। इसी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का एकमात्र राष्ट्रीय-उद्यान, **'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान'**, लखीमपुर खीरी जनपद में स्थित है।

इस क्षेत्र में वर्षा अधिक होती है। इस कारण घने वन पाए जाते हैं। इन वनों में शीशम, साल, साखू, खैर, सागौन, गूलर, महुआ, सेमल, रोजवुड, आदि वृक्ष पाए जाते हैं। कहीं-कहीं बाँस और बेंत की झाड़ियाँ भी पाई जाती हैं। इन जंगलों में ऊँची-ऊँची घास उगती है। यहाँ हाथी, बाघ, तेंदुआ, हिरन, नीलगाय, जंगली सुअर, आदि जानवर पाए जाते हैं।

गंगा-यमुना का मैदान

भाबर और तराई के दक्षिण में उत्तर प्रदेश का मैदानी भाग है। दूर तक फैला यह समतल मैदान नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी से बना है। यह क्षेत्र बहुत उपजाऊ है। इसका ढाल उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूरब की ओर है।

कृषि के अधिक विस्तार के कारण इस क्षेत्र में बहुत कम वन पाए जाते हैं। यहाँ पर मुख्य रूप से नीम, पीपल, आम, बरगद, जामुन, पलाश, बबूल, तेंदू आदि वृक्ष पाए जाते हैं। शीत ऋतु के समाप्त होते-होते यहाँ के वृक्षों की पत्तियाँ गिर जाती हैं। इसलिए इन वनों

को **पतझड़ वन** कहते हैं। यहाँ के वनों मे भेड़िए, तेंदुए, जंगली सुअर आदि जानवर पाए जाते हैं।

दक्षिण का पठार

जमीन से ऊँचे उठे चैरस क्षेत्र को **पठार** कहते हैं। गंगा-यमुना के मैदान के दक्षिण में हमारे प्रदेश का पठारी भाग स्थित है। इस भाग में जगह-जगह छोटी-छोटी पथरीली पहाड़ियाँ हैं। यह क्षेत्र बहुत ऊबड़-खाबड़ है। इनके बीच में कहीं-कहीं समतल मैदान भी हैं। यहाँ अध्िाक गर्मी पड़ती है। वर्षा की कमी के कारण यहाँ प्रायः सूखा पड़ता है।

यह भारत के पठारी भाग का उत्तरी विस्तार है। यह ललितपुर, झाँसी, जालौन, हमीरपुर, बाँदा, चित्रकूट, इलाहाबाद (कुछ भाग) मीरजापुर, चन्दौली (कुछ भाग) एवं सोनभद्र जनपदों में फैला है।

वर्षा की कमी के कारण इस क्षेत्र में कम ऊँचाई वाले वृक्ष पाए जाते हैं। इन वृक्षों के बीच-बीच में कँटीली झाड़ियाँ और मोटी घासों के क्षेत्र पाए जाते हैं। यहाँ के प्रमुख वृक्ष तेंदू, बबूल, सेंहुड़, खैर, खेजरा, आदि हैं।

- आपका शहर/गाँव किस प्राकृतिक भाग में स्थित है ? .....।
- आपके घर के आस-पास कौन-कौन से वृक्ष हैं ? .....।

हमारे प्रदेश के मैदानी भाग के निर्माण में यहाँ बहने वाली नदियों का विशेष योगदान है। हिमालय पर्वत और दक्षिण के पठार से निकलकर बहने वाली नदियाँ, इस मैदान में अत्यन्त उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी लाती हैं।

- **नदियों के मिलने के स्थान को संगम कहते हैं। जैसे इलाहाबाद में यमुना नदी, गंगा नदी में मिलती है। इस संगम स्थल पर विश्व प्रसिद्ध कुम्भ मेला लगता है।**

उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों गंगा, यमुना, चम्बल, गोमती, घाघरा, बेतवा, राप्ती, रामगंगा, टोंस, सोन, शारदा (काली), केन, आदि को मानचित्र पर देखिए और बताइए-

- उत्तर की ओर से बहकर आने वाली नदियाँ.....।
- दक्षिण की ओर से बहकर आने वाली नदियाँ .....।
- आपके शहर/गाँव के आस-पास कौन सी नदी बहती है ? .....।

यातायात के साधन

एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने के लिए अथवा सामान ढोने के लिए जिन साधनों का प्रयोग करते हैं उन्हें यातायात के साधन कहते हैं। जैसे साइकिल, मोटरसाइकिल, बस, ट्रक, ट्रैक्टर, रेलगाड़ी, स्टीमर, नाव, वायुयान, हेलीकॉप्टर आदि यातायात के साधन हैं।

आपने देखा होगा कि यातायात के साधनों में कुछ सड़क पर चलते हैं, कुछ लोहे की पटरी पर चलते हैं, कुछ पानी पर तैरते हैं तो कुछ हवा में उड़ते हैं।

हवा, पानी और जमीन पर चलने वाले तीन-तीन यातायात के साधनों के नाम बताइए -

- जमीन पर चलने वाले .....
- पानी पर तैरने वाले .....
- हवा में उड़ने वाले .....

हमारे प्रदेश में यातायात का सर्वाधिक लोकप्रिय साधन सड़क है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, हमारे प्रदेश में बस सेवा का संचालन करता है। क्या आप जानते हैं अपने प्रदेश से होकर गुजरने वाला सर्वाधिक लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.) संख्या 2 है। यह कोलकाता से दिल्ली तक जाता है। राष्ट्रीय स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के अन्तर्गत बना पूरब-पश्चिम गलियारा एवं उत्तर-दक्षिण गलियारा झाँसी में मिलता है।

- उत्तर प्रदेश के मानचित्र में झाँसी को पहचानिए ? यह किस रंग से रंगा है .....।

आपने रेलगाड़ी देखी होगी, कई लोगों ने तो रेलगाड़ी से यात्रा भी की होगी। हमारे देश में रेल मार्गों की सर्वाधिक लम्बाई उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश में पहली रेलगाड़ी सन् 1859 में इलाहाबाद से कानपुर के मध्य चली थी।

आपने फिल्म या टी0वी0 पर हवाई जहाज देखा होगा। कई लोगों ने इसे हवा मे उड़ते हुए या सामने से भी देखा होगा। जहाँ से हवाई जहाज उड़ते या उतरते हैं उसे हवाई अड्डा(Airport) कहते हैं। हमारे प्रदेश के कुछ प्रमुख हवाई अड्डे निम्नलिखित हैं-

- लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा-बाबतपुर, वाराणसी
- चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा-अमौसी, लखनऊ
- चकेरी हवाई अड्डा, कानपुर
- पं0 दीनदयाल उपाध्याय हवाई अड्डा, आगरा
- बमरौली हवाई अड्डा, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में अनेक बारहमासी नदियाँ हैं। इनमें जल परिवहन के विकास की सम्भावनाएँ हैं परन्तु हमारे प्रदेश में अभी जल परिवहन का कम विकास हुआ है। जानते हो अपने प्रदेश से होकर जाने वाला, भारत का एकमात्र राष्ट्रीय जलमार्ग इलाहाबाद से हल्दिया तक जाता है। इसे राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1(**National Waterway**) कहते हैं।

इसे भी जानें-

- **उत्तर प्रदेश का सबसे विस्तृत जनपद लखीमपुर खीरी है तथा सर्वाधिक जनसंख्या इलाहाबाद जनपद में निवास करती है।**

अभ्यास

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) उत्तर प्रदेश के उत्तर में हमारा पड़ोसी देश ..... स्थित है।

(ख) उत्तर प्रदेश में ..... जनपद हैं।

(ग) उत्तर प्रदेश के मैदानी भाग में अत्यन्त उपजाऊ ..... मिट्टी पाई जाती है।

(घ) उत्तर प्रदेश से होकर जाने वाला सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग ..... है।

2. मिलान कीजिए-

3. सही कथन के सामने (ü) और गलत के सामने (ग) का निशान लगाइए-

(क) भाबर और तराई के पूरब उत्तर प्रदेश का मैदानी भाग है। ( )

(ख) उत्तर प्रदेश के मैदानी भागों में विस्तृत घने वन पाए जाते हंै। ( )

(ग) भारत में रेल मार्गों की सर्वाधिक लम्बाई उत्तर प्रदेश में है। ( )

(घ) राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या-1 उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। ( )

4. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए-

(क) उत्तर प्रदेश के दक्षिण में कौन-कौन से राज्य स्थित हैं ?

(ख) उत्तर प्रदेश में बस सेवा का संचालन कौन करता है ?

(ग) उत्तर प्रदेश में बहने वाली पाँच नदियों के नाम बताइए ?